पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.10.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9810117464 पर एस.एम.एस कर दें या 9868051444 पर googlepay कर दें। –अनिल आर्य

वर्ष-41 अंक-10 कार्तिक-2081 दयानन्दाब्द 201 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.10.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

विजय दशमी 'वीर पर्व' हर्षोल्लास से सम्पन्न

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

गाज़ियाबाद, शनिवार, 12 अक्टूबर 2024, आर्य समाज वृंदावन गार्डन एवं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विजय दशमी के उपलक्ष्य में वीर पर्व पर प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में व्यायाम की विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं दौड़ का आयोजन किया गया। आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं का शोर्य प्रदर्शन डा .राम मनोहर लोहिया पार्क साहिबाबाद में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इसे वीर पर्व कि संज्ञा दी गई है वेद कहते हैं 'वीर भोग्या वसुन्धरा' यानी वीर लोग ही धरती का सुख भोगते हैं। मंदिर में स्थापित मूर्तियां भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम,हनुमान, परशुराम आदि सभी कोई सुदर्शन चक्र, धनुष, फरसा, तलवार, गदा धारी हैं, शक्ति का संदेश दे रही हैं। कभी आर्यों का चक्रवर्ती राज्य रहा है। सत्य की जीत के लिए शक्ति भी होना आवश्यक है। आर्य गायक मा.विजेन्द्र आर्य एवं पिंकी आर्या के मधुर गीत सुनकर श्रोता झूम उठे। समारोह में 127 आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं ने विजय दशमी वीर पर्व पर दिखाये भव्य शोर्य प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहे।प्रतियोगिता में जीते प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। आर्य समाज के प्रधान कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि हम युवा पीढ़ी उत्साह के लिए रोचक कार्यक्रम करते रहेंगे कार्यक्रम के सूत्रधार एवं संयोजक जिला मंत्री सुरेश आर्य ने मंच का कुशल संचालन किया। प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति वीरता व शौर्य की उपासक रही है।विजया दशमी केवल एक पर्व ही नही अपितु इसे कई बातों का प्रतीक माना जाता है।दशहरें में रावण के दस सिर इन दस पापों के सूचक माने जाते हैदृकाम, क्रोध,लोभ, मोह, हिंसा, आलस्य, झूठ, अहंकार, मद और चोरी। इन सभी पापों से हम किसी न किसी प्रकार से मुक्ति चाहते हैं।समाज में दिनों–दिन बुराइयाँ व असमानताएँ भी रावण के पुतले कि तरह बड़ी होती जा रही है। हमें इन पर्वो को सिर्फ़ परंपरा के रूप में नही निभाना चाहिए हमें इन त्योहारों से मिले संकेत और संदेशों को अपने जीवन में भी उतारने का प्रयत्न करना चाहिए। आर्य नेता प्रमोद चौधरी ने कहा कि यह पर्व हमें संदेश देता है कि "अन्याय और अधर्म का विनाश'' तो प्रत्येक स्थिति मे सुनिश्चित है। फिर चाहे आप दुनिया भर की शक्तियों और प्राप्तियों से संपन्न ही क्यो न हों, अगर आपका आचरण सामाजिक गरिमा या किसी भी व्यक्ति विशेष के प्रति गलत होता है तो आपका विनाश भी तय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य बंधु देवेन्द्र आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विजय दशमी की शुभकामनाएं प्रदान की।उन्होंने कहा कि विजय दशमी के इस पावन पर्व पर हम सबको संकल्प लेना होगा कि देश और समाज की प्रगति के लिए हम अपनी सभी बुराइयों को भी रावण के पुतले के साथ सदा–सदा के लिए दहन कर देंगे और समाज व देश कि उन्नति के लिए कार्य करेंगे। प्रमुख रूप से डा प्रमोद सक्सेना,कृष्ण कुमार आर्य,भूपेंद्र आर्य, रीतम आर्य, जगदीश सैनी,एस सी सिंह,के पी सिंह, रामपाल चौहान, कुमारी साक्षी, आस्था आर्य, अवधेश प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली

141वें महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के बलिदान दिवस पर

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

रविवार, 10 नवम्बर 2024, शाम 4.00 से 8 बजे तक

स्थान: आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार (क्लब रोड), दिल्ली-110026

यज्ञ: सायं 4 से 5 बजे तक, ब्रह्मा: आ. जसवन्त शास्त्री, प्रवचन: आ. गवेन्द्र शास्त्री

मुख्य यजमान: सर्व श्री डॉ. (कर्नल) विपिन खेड़ा, वीरेश बुग्गा, सुरेश आर्य, प्रेम प्रकाश, डॉ. राजीव चावला

गायक कलाकार

नरेन्द्र आर्य सुमन - सुदेश आर्या - पिंकी आर्या - किरण सहगल - मधु खेड़ा

मुख्य अतिथि : श्रीमती कमलजीत सहरावत (सांसद), **प्रो. जगदीश मुखी** (पूर्व राज्यपाल)

अध्यक्षता: श्री सत्यानंद आर्य (संरक्षक, आर्य समाज पश्चिमी पंजाबी बाग)

विशिष्ट अतिथि : श्री आनन्द चौहान, श्री सुभाष आर्य (पूर्व महापौर), **श्रीमती सुमन त्यागी** (पार्षद)

गरिमामय उपस्थिति: सर्वश्री यशपाल आर्य (पूर्व पार्षद), ठाकुर विक्रम सिंह, ए.के धवन, ओम सपरा, लायन प्रमोद सपरा, रवि चड्डा, जितेन्द्र खरबंदा, सुरेन्द्र मानकटाला, के.एल. राणा, कस्तूरीलाल मक्कड़, राजेन्द्र लाम्बा, नरेश गुलाटी, प्रेम छाबड़ा, शशि तुली, अमरनाथ बत्रा, राजकुमार अग्रवाल, ओमवीर सिंह, भोपालसिंह आर्य, अमरसिंह आर्य, संजय सपरा, ओमप्रकाश अरोड़ा, सुरेन्द्र गुप्ता, धर्मपाल परमार, अंजू जावा, नरेन्द्र अरोड़ा, राजेन्द्र दुर्गा, सोहनलाल आर्य, अरूण आर्य, संजीव महाजन, कृष्णा पाहुजा, डॉ. धर्मवीर आर्य, विनोद कालरा, सुदेश डोगरा, आस्था आर्या, सुनील गुप्ता, ओमप्रकाश नांगिया, प्रेम सचदेवा, जीवन लाल आर्य, वीरेश आर्य, सुशील बाली, आदर्श आहुजा, गायत्री मीना, उर्मिला-महेन्द्र मनचंदा, अनिता ग्रोवर, राजेश मेहन्दीरत्ता, कुसुम भंडारी, सुनीता बुग्गा, सोनिया संजू, राधा भारद्वाज, वेद खट्टर, ओमप्रकाश गुप्ता, सुशील सलवान, करूणा-तिलक चांदना, रजनी गर्ग, अविनाश बंसल (अभिनन्दन वाटिका), डिम्पल-नीरज भंडारी, सीमा-रोहित ढींगरा, कृष्ण बवेजा, प्रवीण तायल (ब्रिज एवं कम्पनी), सोनल सहगल, संतोष वधवा, कृष्णा गांधी, सुरेन्द्र बुद्धिराजा, चन्द्रमोहन कपूर, चन्द्रमोहन खन्ना, नेत्रपाल खन्ना, राकेश मल्होत्रा, इंद्रा शर्मा, संगीता चौधारी, राकेश आर्य, सुरेश टण्डन, ज्योति ओबराय, अजय तनेजा, विजय कपूर, सुरेन्द्र वर्मा, विक्रांत चौधरी।

आर्य महिला रत्न अवार्ड से सम्मानित होगें

श्रीमती डॉ. उषा मित्तल	श्रीमती शशि जयसवाल	श्रीमती वीना कोछड़
श्रीमती आशा गेंद	श्रीमती संतोष भारद्वाज	श्रीमती आदर्श आर्य
श्रीमती अंजना गुप्ता	श्रीमती प्रभा सरदाना	श्रीमती मधु चुघ
श्रीमती गीता शर्मा	श्रीमती कमलेश आर्य	श्रीमती डॉ. वीना गौतम
श्रीमती किरण चोपड़ा	श्रीमती महेश्वरी	श्रीमती ऋतु तनेजा

आमंत्रित आर्य नेता: सर्व श्री आर.पी. सूरी, अशोक सूरी, अशोक कथूरिया, डालेश त्यागी, अशोक गुप्ता, पुष्पलता वर्मा, माता कृष्णा सपरा, मैथिली शर्मा, आनन्द प्रकाश गुप्ता, निर्मल जावा, प्रि. अंजू महरोत्रा, प्रोमिला गुप्ता, आशा भटनागर, नम्रता रहेजा, संजीव सेठी, सोहनलाल मुखी, प्रकाशचंद आर्य, सुरेन्द्र शास्त्री, माता शीला ग्रोवर, डॉ. दीपक सचदेवा, अनीता कुमार, अशोक आर्य, नरेश विज, डॉ. विशाल आर्य, कृष्णकुमार यादव, सुरेश आर्य, गोपाल आर्य, सुदेश भगत, वीरेन्द्र आहूजा, गजेन्द्र आर्य, स्वर्णा सेतिया, यज्ञवीर चौहान, दष्टारथ भारद्वाज, प्रहलाद सिंह, अजय चौधरी,

विमोचन: डॉ. विवेक आर्य की पुस्तक 'स्वामी दयानंद को जाने' का विमोचन

ऋषि लंगर रात्रि: 8 बजे, आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

-:निवेदक:-

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	धार्मपाल कुकरेजा प्रधान	एस.के. छतवाल कार्यकारी प्रधान	एस.एस. राणा मंत्री	पी.एस. दहिया कोषाध्यक्ष
रामकुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री	प्रवीण आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	संतोष शास्त्री, हर्षदेव शर्मा राष्ट्रीय मन्त्री	अनिल कपूर, सुनील सहगल प्रबन्धक	
दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	वेदप्रकाश आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, रोहित कुमार, वरूण, गौरव झा प्रबंधक गण		

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9013137070, 9958889970
E-mail: aryayouthn@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com join-http://www.facebook.com/group/aryayouth

आर्य समाज पंजाबी बाग व जनकपुरी

आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग के उत्सव में आचार्य वगीश जी के साथ आर्य अधिकारी व आर्य समाज बी ब्लॉक जनकपुरी के प्रधान कृष्ण बवेजा का अभिनंदन करते स्वामी आर्य वेश जी व अनिल आर्य।

रानी बाग में रामलीला सम्पन्न व प्रेमचंद शास्त्री का गृह प्रवेश

श्री राम लीला कमेटी रानी बाग में परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मदन खुराना, सुरेश आर्य, दुर्गेश आर्य का हार्दिक आभार। द्वितीय चित्र आचार्य प्रेमचंद शास्त्री के नोएडा नए घर प्रवेश पर अनिल आर्य बधाई देते हुए।

डॉ. रमाकांत गुप्ता का अभिनंदन व हिमाचल में युवा संस्कार सम्पन्न

परिषद के अपार सहयोगी डॉ. रमाकांत गुप्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते अनिल आर्य।
द्वितीय चित्र कमल आर्य हिमाचल प्रदेश में युवा संस्कार करवाते हुए।

यशपाल आर्य का अभिनंदन व आत्म शुद्धि आश्रम का उत्सव सम्पन्न

बुधवार 2 अक्टूबर 2024, आर्य समाज महावीर नगर दिल्ली के प्रधान यशपाल आर्य का अभिनंदन करते अनिल आर्य व आत्म शुद्धि आश्रम बहादुरगढ़ के वार्षिकोत्सव में अनिल आर्य सम्मिलित हुए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 674वां वेबिनार सम्पन्न

'जीवन जीने की कला' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

पुरुषार्थ ही सफलता कि कुंजी है –अतुल सहगल

मंगलवार 1 अक्टूबर 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'जीवन जीने की कला' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 673 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि धर्म पूर्वक पुरूषार्थ से ही सफ़लता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में चारों तरफ भौतिकवाद का बोलबाला है। धन, वैभव, पद, यश व विभिन्न भौतिक पदार्थों की चकाचौंध में सामान्य व्यक्ति लिपटा और खोया हुआ है। क्योंकि सफलता सबको प्राप्त नहीं होती, इसलिए अधिकतर मनुष्य अशांत और दुखी हैं। यह स्थिति तब है जब मनुष्य की आत्मा सुखों की ही अभिलाषी है और समस्त दुखों से छुटकारा पाना चाहती है। इसका कारण बताते हुए वक्ता ने सत्य और तथ्य की पूर्ण और सही जानकारी का न होना बताया। जीवन के प्रारंभिक काल अथवा युवावस्था में सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। मनुष्य का पूरा जीवन ही बीत जाता है और उसको भौतिक व आध्यात्मिक तथ्यों का ज्ञान नहीं हो पाता। जीवन के अंतिम भाग में वह अनुभव करता है कि उसका आधा जीवन ही व्यर्थ चला गया। वह अपना जीवन बहुत अधिक सफल और समृद्ध बना सकता था यदि उसे ठीक मार्गदर्शन युवावस्था में ही मिल गया होता।वेद के एक शब्द में ही जीवन जीने की कला का सन्देश और तरीका मिल जाता है और वह शब्द है –– मनुर्भवः हम मनुष्य बनें।मनुष्य वह है जो धर्म के मार्ग पर चलता है। धर्म की मौलिक परिभाषा सामने रखी जो भगवान मनु ने प्रतिपादित की। धर्म के दस लक्षण बताते हुए मानव उन्नति के सूत्रों की संक्षिप्त व्याख्या की। यजुर्वेद के मन्त्रों का हवाला देते हुए कहा कि बहुत से मन्त्र धर्मयुक्त पुरुषार्थ की बात करते हैं और यही जीवन जीने की कला को दर्शाते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेता सोहन लाल आर्य व अध्यक्ष आनंद प्रकाश आर्य हापुड़ ने जीने की कला पर विचार रखे।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि व्यक्ति को कर्म शील और समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए।प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका ललिता धवन, प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, कृष्णा गांधी, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

'मृतक श्राद्ध कितना सही' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

जीवित माता पिता की सेवा ही सच्चा श्राद्ध –श्रुति सेतिया

सोमवार 7 अक्टूबर 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'मृतक श्राद्ध कितना सही' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 674 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि जीवित माता पिता की सेवा ही सच्चा श्राद्ध है। भोजन की आवश्यकता शरीर को होती है आत्मा को नहीं। उन्होंने कहा कि मूल अर्थों में श्राद्ध, श्रावणी उपाकर्म के पश्चात् अपने–अपने कार्यक्षेत्र में लौटते समय वरिष्ठों आदि के अभिनंदन सत्कार के लिए होता था। आज समाज में सबसे निर्बल व तिरस्कृत कोई हैं, तो वे हैं हमारे बुजुर्ग। वृद्धाश्रमों की बढ़ती कतारों वाला समाज श्राद्ध के नाम पर कर्मकाण्ड कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ ले तो यह भीषण विडम्बना ही है। यदि हम घर परिवारों में उन्हें उचित आदर–सत्कार, मान–सम्मान व स्नेह के दो बोल भी नहीं दे सकते तो श्राद्ध के नाम पर किया गया हमारा सब कुछ केवल तमाशा व ढोंग है। यों भी वह अतार्किक व श्राद्ध का गलत अभिप्राय लगा कर किया जाने वाला कार्य तो है ही। जब तक इसका सही अर्थ समझ कर इसे सही ढंग से नहीं किया जाएगा तब तक यह करने वाले को कोई फल नहीं दे सकता (यदि आप किसी फल की आशा में इसे करते हैं तो)। वैसे प्रत्येक कर्म अपना फल तो देता ही है और उसे अच्छा किया जाए तो अच्छा फल भी मिलता ही है। मृतकों तक कोई सन्देश या किसी का खाया भोजन नहीं पहुँचता और न ही आपके–हमारे दिवंगत पूर्वज मात्र खाने–पीने से संतुष्ट और सुखी हो जाने वाले हैं। भूख देह को लगती है,आत्मा को यह आहार नहीं चाहिए। मृतक पूर्वजों को भोजन पहुँचाने (जिसकी उन्हें आवश्यकता ही नहीं) से अधिक बढ़कर आवश्यक है कि भूखों को भोजन मिले, अपने जीवित माता पिता व बुजुर्गों को आदर सम्मान से हमारे घरों में स्थान, प्रतिष्ठा व अपनापन मिले, उन्हें कभी कोई दुख सन्ताप हमारे कारण न हो। उनके आशीर्वादों के हम सदा भागी बनें और उनकी सेवा में सुख पाएँ।किसी दिन वृद्धाश्रम में जाकर उन सबको आदर सत्कार पूर्वक अपने हाथ से भोजन करवा उनके साथ समय बिताकर देखिए३ कितने आशीष मिलेंगे। परिवार के वरिष्ठों व अपने माता–पिता आदि की सेवा सम्मान में जरा–सा जुट कर देखिए,कैसे घर पर सुख सौभाग्य बरसता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री शशि कांता कस्तूरिया व अध्यक्ष पूजा सलूजा, अनिता रेलन ,सुधीर बंसल,विमल चड्ढा (नैरोबी) ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का कुशल संचालन परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, रचना वर्मा, ललिता धवन,आशा आर्य, सुनीता आहूजा, कृष्णा पाहुजा, रविन्द्र गुप्ता आदि ने भजन सुनाए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970